



भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान ICAR–Indian Institute of Farming Systems Research

मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (उ०प्र०), Modipuram, Meerut - 250 110 (U.P.)

फोन/Phone : 0121-288 8711, 288 8811, फैक्स/Fax : 0121-288 8546

ईमेल/Email: director.iifsr@icar.gov.in

दिनांक– 27.11.2021

कृषि प्रणाली संस्थान के 7वें वार्षिकोत्सव का आयोजन

भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ में दिनांक 27 नवंबर 2021 को सातवां वार्षिकोत्सव मनाया गया, जिसमें संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आज ही के दिन सन 2014 को फसल प्रणाली अनुसंधान परियोजना निदेशालय से प्रोन्नत होकर इस संस्थान का नाम भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान कर दिया गया, जो कि आज देश की खाद्य, आजीविका एवं पर्यावरण सुरक्षा हेतु देश के विभिन्न जलवायवीय क्षेत्रों हेतु, समेकित एवं जैविक कृषि प्रणालियों पर, नित नए-नए अनुसंधान कर रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक व कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ आजाद सिंह पँवार ने किया। निदेशक महोदय ने अपने संबोधन में संस्थान के विकास की गाथा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने यह बताया कि एक साधारण से उर्वरक प्रयोग से शुरू होकर समेकित कृषि प्रणाली पर एक संपूर्ण संस्थान के रूप में स्थापित होकर आज भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ देशभर में फैले हुए अपने 94 केंद्रों के माध्यम से किसानों की खाद्य, आजीविका एवं पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार की समेकित एवं जैविक कृषि प्रणालियों का विकास किया है। संस्थान ने आज देश के विभिन्न कृषि जलवायवीय क्षेत्रों हेतु 62 कृषि प्रणालियां विकसित की हैं जिनमें देश की खाद्य, आजीविका, पोषण व रोजगार सुरक्षा प्रदान करने की अपार संभावनाएं हैं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ पीयूष पुनिया जी ने किसानों की सेवा हेतु संस्थान द्वारा किए जा रहे विभिन्न शोध एवं विकास के कार्यों को विस्तार से बताया। इस अवसर पर संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ देवाशीष दत्ता जी ने “मानव व पर्यावरण स्वास्थ्य हेतु जैविक खेती” विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के सेवानिवृत्त प्रधान वैज्ञानिकों डॉ प्रेम सिंह, डॉ जे पी सिंह, डॉ सेवाराम, डॉ देवेन्द्र सिंह ने अपने-अपने विचार रखे। प्रधान वैज्ञानिक डॉ एल आर मीणा जी ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ पूनम कश्यप ने किया। डॉ सुरेश मलिक जीने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

